विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे   www.vidarbhswabhiman.com   9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 15 से 21 मई 2025 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 47 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

ज़ीवन में कभी किसी को तकलीफ देने की मानसिकता मत रखना, क्यों कि किसी को दुःख दिया है तो निश्चित तौर पर बढ़कर मिलने वाला है. इसलिए हंसते रहो और औरों को भी खुशियां बांटते हुए हंसाने का प्रयास करो. इससे निश्चित तौर पर आत्मीक खुशी और सुकून मिलेगा.

पेज नंबर 2
आतंकी हमला भी माना जाएगा युद्ध

पेज नंबर 3
आदर्श समझदार दम्पति हैं डॉ.राजेश-प्रांजल शर्मा

पेज क्र.7
निष्ठा,विचारधारा तथा संविधान सुरक्षा को सर्वोच्च मानने वाली नेत्री हैं एड.यशोमति ठाकुर

पेज नं. 8
संवाद,समय और सम्मान ही संयुक्त परिवार का होता है पिल्लर,दिन विशेष

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

न्या.भूषण गवई बने देश के मुख्य न्यायाधीश

अमरावती न्यायिक क्षेत्र ने रचा इतिहास,सर्वत्र मनाई खुशी, दारापुर के लाल ने किया कमाल

विदर्भ स्वाभिमान, 14 मई

नई दिल्ली/अमरावती-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा बुधवार को अमरावती के निवासी और दारापुर के लाल न्या. भूषण रामकृष्ण गवई ने देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथग्रहण किया. राष्ट्रपति प्रतिभाताई पाटील के बाद वह न्यायिक क्षेत्र में सर्वोच्च पद पर पहुंचने से अमरावती जिले में उत्साह है और पूरा जिला गर्व की अनुभूति कर रहा है. बुधवार, 14 मई को राष्ट्रपति भवन में न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई. यह न केवल अमरावती जिले बल्कि समूचे महाराष्ट्र का सबसे बड़ा सम्मान है. जिले के उनके जन्मगांव दारापुर में बुधवार को जल्लोश मनाया गया.

अपनी बात बेबाकी से कहने वाले एक साहसी और निर्णायक न्यायाधीश के रूप में जहां वे पहचान रखते हैं, वहीं शालीनता, विद्वता के साथ ही अपने सुस्वभाव के लिए जाने जाते हैं. मुख्य न्यायाधीश गवई के कार्यकाल में पूजा स्थल अधिनियम और वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को चुनौती देने वाले मामलों में महत्वपूर्ण सुनवाई हो सकती है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई. न्यायमूर्ति गवई भारत के पहले बौद्ध मुख्य न्यायाधीश हैं. उन्होंने संविधान की रक्षा करने और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने की प्रतिबद्धता जताते हुए हिंदी में पद की शपथ ली.

मुख्य न्यायाधीश गवई ने हाथ जोड़कर तालियाँ बजाईं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, गृह मंत्री अमित शाह **शेष पेज 2 पर**

भारत के दुश्मन तुर्किए को अमेरिका देगा किलर मिसाइल

विश्वास के लायक नहीं है,रूस की बढ़ी मुश्किल

वॉशिंगटन/अंकारा- भारत के खिलाफ लगातार जहर उगलने वाले तुर्की के साथ अमेरिका ने एयर-टू-एयर मिसाइल बेचने का सौदा किया है. इससे अमेरिका की सच्चाई जहां भारत के समक्ष आ गई है, वहीं दूसरी ओर भारतीयों की नजर में अमेरिका कभी विश्वास के काबिल नहीं रहा. पाकिस्तान से लेकर गाजा तक कट्टरपंथी विचारधारा को फैलाने वाले तुर्की को अमेरिका ने हवा से हवा में मार करने वाली विनाशक मिसाइलों को बेचने के लिए सौदा कर लिया है. अमेरिकी विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एक प्रेस स्टेटमेंट में इसकी जानकारी दी गई है. इसमें कहा गया है कि अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने 14 मई को तुर्की को 120-8 एडवांस्ड एयर-टू-एयर मिसाइलों की बिक्री को मंजूरी देने का ऐलान किया है. जिसकी अनुमानित लागत करीब 225 मिलियन डॉलर है और इसके तहत 53किलर मिसाइलें और 6 गाइडेंस सेक्शन शामिल हैं.

अमेरिका भले ही इस सौदे को नाटो देशों के बीच होने वाले आपसी सहयोग का हिस्सा बता रहा हो, लेकिन भारत के नजरिए से देखें तो भारत के दोस्त ग्रीस के लिए ये डील काफी खतरनाक साबित हो सकती है. ग्रीस और तुर्की में भारत और पाकिस्तान जैसे ही जंग के हालात बनते रहते हैं. इसके अलावा तुर्की लगातार आतंकवादी संगठनों और टेरर नेटवर्क्स का समर्थन करता रहता है, जैसा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान देखने को मिला है.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 10वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

आतंकी हमला भी माना जाएगा युद्ध

पहलगाम की घटना के बाद जिस तरह से भारत सरकार ने पाकिस्तान की कमर तोड़ी, उससे ऐसा लग रहा था कि यह नालायक पड़ोसी अपनी देश की जनता की दिक्कतों को हल करने पर ध्यान देकर देश के विकास के बारे में सोचेगा, लेकिन दुर्भाग्य की जिसने अपनी बर्बादी का बीड़ा खुद ही उठा लिया है, उसके लिए कोई भी कुछ नहीं कर सकता है. लेकिन तुर्किए जैसे देशों काजिस तरह से देशप्रेमी व्यापारियों तथा लोगों द्वारा बहिष्कार किया जा रहा है, यही भारत की असली ताकत कही जा सकती है. उसने पाकिस्तान के साथ युद्ध में चीन के साथ मिलकर भारी सहयोग किया था. चीनी वस्तुओं पर तो देशवासियों द्वारा पहले ही बहिष्कार किया गया है लेकिन अब तुर्किए क्रो सबक सिखाने के लिए जिस तरह से देशवासी अग्रणी हैं, यह भारत की सबसे बड़ी ताकत है, इसके बलबूते ही हजारों सालों से हिन्दुस्तान मजबूती से खड़ा रहा है और हमेशा खड़ा रहेगा. हमारी सेना ने पाकिस्तान की कमर तोड़ने के साथ ही आर्थिक रूप से पाकिस्तान को बड़ी क्षति पहुंचाई है, इससे उसे उभरने में काफी समय लगेगा. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में चेताया है कि आतंकवादियों द्वारा भारत पर किया जाने वाला हमला भी युद्ध माना जाएगा. आगामी दिनों में भारत पाकिस्तान की कमर तोड़ने में कहीं कसर नहीं रखेगा, यह जरूरी है. इस माध्यम से कितने तुर्किए देश और विदेश में बाहर आते हैं, इसका पता भी चलेगा.

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा हिंदू पर्यटकों पर किए गए कायराना हमले और इसके बाद भारत सरकार द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के नाम से जिस तरह से अभियान चलाया गया और 100 से अधिक आतंकवादियों तथा उनके अड्डों को नष्ट किया गया उसकी जानकारी देने के साथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी दी है कि वह न्यूक्लियर ब्लैक मेलिंग किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगा. भारत द्वारा भले ही अभियान को कुछ समय के लिए रोका गया है लेकिन अगर पाकिस्तान की शहर पर आतंकवादियों द्वारा अथवा पाकिस्तान सुना द्वारा किसी भी तरह का दुस्साहस किया जाता है तो भारतीय सेना इसका मुंह तोड़ जवाब देगी. पाकिस्तान के खिलाफ भारत के करवाई केवल स्थगित है इस कार्रवाई को रोका नहीं गया है. भारत-पाकिस्तान के मामले में अब स्पष्ट है और उसके द्वारा कोई गई की गई हरकत को वह गंभीरता से ही लेगा.

विगत 6 और 7 में को भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम से सैनिक कार्रवाई करते हुए पाक अधिकृत कश्मीर के आतंकवादियों के कई अड्डों को जहां नष्ट कर दिया वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान की सेना मुख्यालय को भी बड़े पैमाने पर ध्वस्त करने में सफलता हासिल की. भारतीय सेना के साहस के सामने पाकिस्तान सेना घूटनी टेकने की स्थिति में आ गई और हमेशा की तरह पाकिस्तान ने अपने आका अमेरिका को आगे करते हुए संघर्ष को खत्म करने के गुहार लगाई और भारत सरकार ने भी समझदारी का परिचय देते हुए युद्ध विराम को मंजूरी दी. पाकिस्तान न कभी सुधरा था और न ही कभी सुधरेगा, यह भी उतना ही सच है.

एकता की ताकत समझने की जरूरत

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

समूचे विश्व में सनातन धर्म और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का उदाहरण नहीं हो सकता है.प्रभु श्रीराम केवल समझने नहीं बल्कि जीवन में उतारने वाले महानायक हैं. आदर्श पुत्र,भाई, परिवार प्रमुख कैसा होना चाहिए, इसका अद्भुत उदाहरण समूचे विश्व के समक्ष उन्हों ने रखा है. आज भारतीय परिवारों में जिस तरह का आपसी मनमुटाव, कोर्ट में जाकर एक भाई ही दूसरे भाई को बर्बाद करने की प्रवृत्ति निश्चित तौर पर निंदनीय ही कहा जा सकता है. प्रभु श्रीराम जानने नहीं बल्कि समझने और हिन्दुत्व एकता के महानायक हैं. लेकिन आज भी सनातन धर्म को मानने वाले जिस तरह से अपनी दिशा बदल रहे हैं, यह संतोष की बात है कि कई परिवारों में आज भी एकता की सबसे बड़ी ताकत देखी जाती है. लेकिन कुछ ही परिवारों में केवल नाम के लिए है. अपने ही भाई की प्रगति को देखकर अगर भाई को जलन होती है तो निश्चित तौर पर यह सनातन धर्म नहीं कहा जा सकता है. जिन लोगों में एकता है, वहां निश्चित तौर पर प्रगति और खुशियां हैं, लेकिन

जिन परिवारों में स्वार्थ है और भाई ही भाई की प्रगति का दुश्मन बना है, वहां दोनों ही भाई जीवन में कभी खुशी से रहने वाली स्थिति है.

बचपन के संस्कारों का जीवन में सदैव महत्व रहता है. इसलिए में अक्सर कहता हूं कि बच्चों को उच्च शिक्षा नहीं दिलाए तो चलेगा लेकिन बच्चों को परिवार का महत्व, एकता का महत्व बताओ, वर्ना वैसे भी आजकल सनातन धर्म का पाठ लोगों को पढ़ाने वाले ही कितने नीच हैं, उनका अपने ही भाई से नहीं पटता है, कभी चार पैसे आने के बाद वे स्वयं को आसमान में देखते हैं. विशेष रूप से जब चरित्रवान बनाने की जिम्मेदारी जिन पर होती है, ऐसे लोगों द्वारा ही चरित्र का सत्यानाश करने का काम किया जाता है तो इससे बड़ा दर्द दूसरा नहीं हो सकता है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इस मामले में बोले तैसा न चाले वाली प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है. पंडित और स्वयं को ज्ञानी समझने वाला अगर अहंकार में अपनों को भी सम्मान नहीं दे सकता है तो निश्चित तौर पर वह ज्ञानी नहीं बल्कि सबसे बड़ा मूर्ख है. मूर्ख की योग्यता कभी महान नहीं हो सकती है. लेकिन अनपढ़ भी अगर एकता का महत्व समझता है तो निश्चित तौर पर यह सबसे बड़ा ज्ञानी है. एक रहो, वर्ना कोई नहीं बचाएगा.

न्या.गवई बने देश के मुख्य न्यायाधीश

पेज 1 से जारी-अन्य गणमान्य व्यक्तियों और अपने पूर्ववर्ती न्यायमूर्ति संजीव खन्ना सहित सबसे आगे की पंक्ति में बैठे परिवार के सदस्यों से हाथ मिलाया. भारत के मुख्य न्यायाधीश ने अपनी माँ के पैर छुए. श्री मोदी को मुख्य न्यायाधीश की माँ के पास जाकर उनका अभिवादन करते भी देखा गया. समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ.समारोह में सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के वर्तमान और सेवानिवृत्त न्यायाधीश मौजूद थे.मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह के साथ अपनी पीठ साझा करना जारी रखेंगे.

मुख्य न्यायाधीश से उम्मीद की जाती है कि वे आगे की राह पर चर्चा करने, अपने दृष्टिकोण को साझा करने और सुझाव लेने के लिए सभी न्यायाधीशों की बैठक बुलाएँगे. न्यायालय के वार्षिक ग्रीष्मकालीन अवकाश में जाने में मुश्किल से 10 दिन बचे हैं, हालाँकि यह आंशिक रूप से कम से कम तीन पीठों के साथ काम करेगा जो एक समय में मामलों की सुनवाई करेंगे.मुख्य न्यायाधीश गवई का कार्यकाल 23 नवंबर, 2025 तक छह महीने से अधिक का है.

न्यायिक जिम्मेदारी रही सराहनीय

उन्हें 24 मई, 2019 को बॉम्बे हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में पदोन्नत किया गया था.24 नवंबर, 1960 को अमरावती में जन्मे जस्टिस गवई 16 मार्च, 1985 को बार में शामिल हुए. जस्टिस गवई के पिता, रामकृष्ण सूर्यभान गवई, जिन्हें दादासाहब के नाम से भी जाना जाता है, बिहार के पूर्व राज्यपाल और एक प्रमुख दलित नेता थे.अमरावती जिला ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर दलित नेता के साथ ही सर्वधर्म समभाव वाले दूरदशी नेता के रूप में उनकी ख्याति थी. गवई परिवार न केवल अमरावती बल्कि विश्वस्तरीय प्रतिष्ठीत परिवार के रूप में माना जाता है. एक साहसी और निर्णायक जज के रूप में जाने जाने वाले चीफ जस्टिस गवई के कार्यकाल में पूजा स्थल अधिनियम और वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को चुनौती देने वाले मामलों में महत्वपूर्ण सुनवाई हो सकती है.

प्रभावशाली निर्णय-सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में, वे सुप्रीम कोर्ट में कई प्रभावशाली निर्णयों का हिस्सा थे, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करने का फैसला शामिल है. वे संविधान पीठ का हिस्सा थे, जिसने माना कि राज्यों को राष्ट्रपति सूची में अधिसूचित अनुसूचित जातियों को उप-वर्गीकृत करने का अधिकार है, ताकि उन्हें सार्वजनिक रोजगार और शिक्षा में अधिक तरजीही उपचार प्रदान किया जा सके. मनीष सिसोदिया जमानत मामले में न्यायमूर्ति गवई के फैसले ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को मजबूत किया था. उन्होंने उस पीठ की अध्यक्षता की जिसने राजीव गांधी हत्याकांड के दोषी पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया था. एक वकील के रूप में, उन्होंने 1987 से 1990 तक बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्वतंत्र रूप से अभ्यास किया था. 1990 के बाद, वे मुख्य रूप से बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के समक्ष पेश हुए. उन्होंने संवैधानिक और प्रशासनिक कानून में अभ्यास किया था और नागपुर नगर निगम, अमरावती नगर निगम और अमरावती विश्वविद्यालय के लिए एक स्थायी वकील थे. उन्हें 2003 में बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और नवंबर 2005 में स्थायी न्यायाधीश बने.

मां डॉ. कमलताई गवई ने विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए बताया कि बचपन से ही न्या. भूषण गवई अत्याधिक तीव्र बुद्धि वाले और संवेदनशील, सभी को साथ रखने और सभी के साथ घुलमिल जाने वाले बेटे थे. समय के साथ परिवार की स्थिति में भी संघर्ष के बाद से बदलाव शुरू हुआ और न्याय क्षेत्र में उन्होंने कदम रखा.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

आदर्श समझदार दम्पति हैं डॉ.राजेश-प्रांजल शर्मा

शादी की सालगिरह पर विशेष, आदर्श दम्पत हैं डॉ.राजेश-डॉ.प्रांजल शर्मा

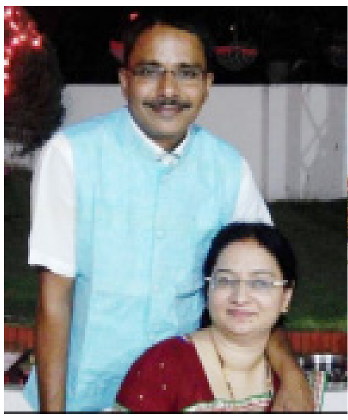

क़हते हैं कि समय के साथ ही आज परिवार की आत्मीयता भी कम होती जा रही है लेकिन कुछ ही दम्पति आज भी समाज के सामने आदर्श हैं. ऐसे ही दम्पतियों में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा और डॉ.प्रांजल शर्मा की आदर्श जोड़ी है. दोनों के बीच की समझदारी के साथ ही जिस तरह से स्वयं में खुश रहते हैं, वह भी अनुकरणीय है. बेटे डॉ.अथर्वश्री की शादी में जिस तरह क़ा माहौल था, वह निश्चित ही अनुकरणीय और अदभुत कहा जा सकता है. हर व्यवसाय में स्पर्धा, तनाव और परेशानी वाली स्थिति है, इसके बाद भी केवल पत्नी ही ऐसी विश्वसनीय मित्र रहती है, मां के बाद जिससे व्यक्ति अपने हर सुख और दुख को बांट सकता है. शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर के सुख्यात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा एवं डॉ.सौ. प्रांजल शर्मा ऐसे ही आदर्श दम्पति हैं. सर का स्वभाव जहां उग्र है, वहीं दीदी का स्वभाव विनम्र है. कहते हैं कि अगर नोंक-झोंक नहीं हो तो जीवन का असली मजा नहीं मिलता है लेकिन उतनी ही अंडरस्टैंडिंग होने पर परिवार ही स्वर्ग सा होता है. दोनों ही अपने वैद्यकीय व्यवसाय में समर्पित हैं और अमरावती ही नहीं तो इस क्षेत्र में अपनी मेहनत और लगन से अपना स्थान तैयार किया है. दोनों के बीच की समझदारी और भक्तिभाव वाली मानसिकता उनकी खुशियों को दोगुनी करती है. कहते हैं कि घर में अगर व्यक्ति खुश रहते तो दुनिया को जीतना कठिन काम नहीं होता है. आजकल समय के साथ जब सब कुछ बदलता जा रहा है, नाते-रिश्तों में अपनेपन,आत्मीयता की कमी दिखाई देती है, ऐसे दौर में भी डॉ. शर्मा दम्पति काम के प्रति समर्पित ऐसे दम्पति हैं, जो अपने वैद्यकीयपेशे की गरिमा के साथ ही सदैव सामाजिक सेवाओं में भी योगदान देते हैं. 12 मई को उनकी शादी की सालगिरह पर हजारों ने उन्हें शुभकामनाएँ. वे स्वस्थ रहें और गोविंदा की कृपा से सभी मनोकामनाएं पूरी हों, यह कामना, शादी की सालगिरह पर हार्दिक शुभकामनाएँ

दारापुर के बेटे को गांव ने सिर पर उठाया

अमरावती जिले के लिए बुधवार का दिन फिर ऐतिहासिक साबित हुआ. जिले में पले-बढ़े न्या. भूषण गवई ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई)के रूप में शपथग्रहण किया. इससे उनके मूल गांव दारापुर में अपार जश्न मनाया गया. पूरा गांव ही अपने लाल की अभूतपूर्व आसमानी कामयाबी की गौरव में खुशियों से झूम उठा. इस मौके पर आयोजित शपथ अभिनंदन समारोह में पूरा गांव उमड़ पड़ा था.

दारापुर की पवित्र धरती से जन्मा बेटा आज देश की न्यायपालिका के सर्वोच्च शिखर पर आसीन हुआ. न्या. भूषण गवई की सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति न केवल उनके लिए व्यक्तिगत सम्मान है, बल्कि दारापुर गांव के लिए, विदर्भ के लिए और समानता के मूल्यों में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के लिए भी गौरव का क्षण है. इस समय पूरे गांव में उत्साह, प्रेरणा और गर्व की लहर दौड़ गई.कार्यक्रम की शुरुआत छत्रपति संभाजी महाराज, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर और स्व.दादासाहेब गवई की प्रतिमा पूजन से हुआ. 24 नवंबर 1960 को भूषण गवई का जन्म यहां हुआ. उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त की. उच्च न्यायालय में वकालत करते हुए उन्होंने लगातार सामाजिक न्याय के लिए लड़ाई लड़ी. 2003 में बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त, फिर 2019 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश और अब 2025 में भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाल कर अमरावती जिले के नाम न्याय क्षेत्र में इतिहास रच डाला. मौके पर प्राचार्य डॉ. डी. टी. इंगोले ने छात्रों को संबोधित किया. कार्यक्रम में सरपंच काजल धनदार, उपसरपंच जमीलजी पटेल एवं ग्राम पंचायत सदस्य एवं धम्मपाल इंगले, ग्राम पंचायत सचिव एवं कर्मचारी विनायकराव गवई, विश्वम्भर मार्के, संजय बेलोकर, अमोल देशमुख, राजू गवई, नंदू भुसारी, मुकीम पटेल, आशीष बेथरिया, मनोहरराव इंगले, जयप्रकाश घरडे सहित अन्य उपस्थित थे.संचालन विश्वम्भर मारके ने किया. पूरे गांव में जश्न का माहौल है, केवल गांव के लाल के कमाल की ही चर्चा सर्वत्र हुई. इस मौके पर डॉ. एस. टी. वरघट, प्रा वर्षा मोरशे, डॉ. एन. एस. घोटकर, डॉ. बी. एस. शेटे, प्रा. ए. एस. बोंबटकर, प्रा.ए.ए. चिंचमलातपुरे, प्रा.पी.एस. देशपांडे, प्रा. डी. वी. आष्टोनकर, प्रा. एस. डी. गतफने, योगेश गोंडाणे, ए.वी. कालमेघ सहित अन्य उपस्थित थे.इस समारोह के दौरान पूरे गांव की खुशी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस समारोह में दारापुर गांव का हर व्यक्ति शामिल हुआ. इतना ही नहीं तो उपस्थित छात्रों ने जश्न के इस मौके पर जमकर डांस कर अपनी खुशियों का इजहार किया. न्यायिक क्षेत्र में अमरावती का इतिहास रचने वाले न्या. भूषण गवई के शपथग्रहण का लाइव अमरावती जिला बार रूम में सभी वकीलों की उपस्थितों में देखा गया. पदग्रहण होने के बाद सभी वकीलों ने भव्य पैमाने पर जश्न मनाया. इस समय जहां सभी वकीलों ने जमकर डांस किया, वहीं इस ऐतिहासिक पल की खुशी जताने के लिए एक-दूसरे का मुंह भी मीठा किया. जिला वकील संघ के अध्यक्ष सुनील देशमुख के साथ एड. सर्वश्री प्रशांत देशपांडे, प्रशांत भेलांडे, अनिरूद्ध लढ्?ढा, शीलवंत सोनोने, वी.एल. नवलानी, पी.एस.खड्से, प्रिती पाटेकर, श्रद्धा पाटेकर, किरण यावले, दिगांबर पाटील,निलेश जोशी,शैलेंद्र तिवारी,ब्रिजेश तिवारी,नंदकिशोर वैराले, सुमित शर्मा,नितिन कोल्हटकर, प्रदीप चांडक जिले के सभी वकीलों के साथ ही गवई परिवार के करीबी शामिल हुए.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

राजपुरोहीत

फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी

इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी

HD व्हिडीओ शुटींग | इंस्टाग्राम रील

कॉफी मग प्रिंटींग | ड्रोन शुट

फोटो अलबम | मोबाईल प्रिंटींग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने

शिलांगण रोड, अमरावती

संपर्क : 9028123251

सत्रह तीर्थों का स्नान होता है चमत्कारी

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-18, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी -कपिल तीर्थ- यह एक पाताल तीर्थ है. कपिल नामक एक मुनि ने सांख्य योगाभ्यास करते अपनी सारी इंद्रियों को वश में रखकर अति उत्साह से वहाँ एक शिव लिंग की प्रतिष्ठा करके शिव की अर्चना की. तब शिव लिंग महादीर्घ रूप में महादीप्त हुआ. तब सुर और जनों से पूजा प्राप्त करने के उद्देश्य से पाताल से कपिल लिंग धरती पर आ गया.तब सगरनंदनो को सग्दति देकर वहाँ की भोगवती महोन्नत रूप में लिंगमूर्ति के साथ ही धरती पर पहुँच गयी. वही भोगवती कपिल तीर्थ बन गयी. वह सदा प्रवाहित होते हुए मनुष्यों के पापों का निवारण करने लगी. इस तीर्थ की महिमा को जानकर देवतागण और मनुष्य बड़ी श्रध्दा के साथ उस शिवलिंग की पूजा करने लगे.

चक्रतीर्थ और विश्वक्सेन तीर्थ -कपिल तीर्थ के ऊपर चक्र तीर्थ प्रवाहित होता है. पूर्व में अहल्या के साथ देवपति इंद्र के व्दारा किए गए पाप को दूर करने के लिए इंद्र ने इसी चक्र तीर्थ में स्नान किया था. चक्रतीर्थ के ऊपर विश्वकसेन तीर्थ प्रवाहित होता है. पूर्व में यहाँ पर वरूण के पुत्र विश्वकसेन ने तप किया था. तब हरि उसके तप से प्रसन्न होकर वहाँ पर आये. तब शंख चक्र युगल और परिवार के साथ हरि ने विश्वकसेन को दर्शन दिए. उसके स्मरण में इसका नाम विश्वकसेन तीर्थ पड़ गया.

पंचायुध तीर्थ और अनल तीर्थ -पंचायुध तीर्थ संचित तीर्थ है. यह चक्रतीर्थ के ऊपर स्थित है. उनके ऊपर अनल तीर्थ प्रवाहित होता दिखाई देता है.

ब्रह्म तीर्थ और सप्तर्षि तीर्थ- अनल तीर्थ के ऊपर ब्रह्म तीर्थ है. महापाप करनेवालों को इस तीर्थ में नहाने से पुण्य प्राप्त होता है. ब्रह्म तीर्थ के ऊपर सप्त ऋषियों के नाम से सप्तर्षि तीर्थ दिखाई पड़ते हैं. ये एक से बढ़कर एक पुण्य प्रदान करनेवाले हैं . दशाधिक फल भी ये तीर्थ देते हैं . इनके बारे में ब्रह्मदि ही बता नहीं सकते हैं .ऐसे में मैं कैसे बता सकूँगा.यह पर एक और विशेषता का उल्लेख करना चाहिए. पूर्व में धरती पर रहनेवाले एक राजा इन सारे तीर्थो के दर्शन करने के लिए निकले. रास्ते में वह सो गया. तब उसके सपने में पुरुषोत्तम दिखाई दिए. सपने में पुरुषोत्तम ने इस रूप में कहा-हे ब्राह्मणोत्तम! दूर रहनेवाले इन तीर्थो की खोज करते तुम क्यों निकले हो यहीं देखो इस पुष्करिणी के पास ही पवित्र सत्रह तीर्थ हैं. इनमें क्रम से स्नान करो. तब क्रम से तुमको सारी सिध्दियाँ प्राप्त हों गी. इसमें तुम कोई संदेह मत करो.यह सुनकर उस राजा ने संतोष से नींद से जागकर ऐसा ही किया. मैं रमाधीश के व्दारा स्वप्न में बताये मार्ग से पुष्करादि पहुँच कर वहाँ के तीर्थो में स्नान करके विशेष सिध्दियाँ प्राप्त करूँगा. ऐसा सोचकर उसने पहले कपिल तीर्थ से आरंभ करके सप्तादश तीर्थों में क्रम से स्नान करके सकल सिध्दियों को प्राप्त किया.ऐसा सूत ने बताया.इस ब्रह्मांड में तीन करोड़ और आधा करोड़ तीर्थ हैं. त्रिभुवनों के इन तीर्थों में अखिल मुख्य और अनेक तीर्थ इस श्री वेंकटाद्रि पर है.इसलिए तीर्थों के लिए यह वेंकटाद्रि प्रसिध्द बन गया है.ऐसे वेंकटाद्रि की परिक्रमा करने से भू परिक्रमा करने से प्राप्त होनेवाला पुण्य समान पुण्य प्राप्त होता है. इससे बढ़कर एक और विशेषता यह है कि वेंकटाद्रि शिखर दर्शन से समस्त तीर्थों के फल को प्राप्त कर सकते हैं. इसके अतिरिक्त युधिष्ठिर आदि पांडु पुत्र वनवास करते समय उनसे श्रीकृष्ण ने ऐसा कहा था.

पांडव तीर्थ-हे पांडवात्मज! कर्म फल से आज आपको ये कष्ट सता रहे हैं. आप राजमहल छोड़कर वनवास पर निकले हैं.अच्छे लोगों को हमेशा विजय प्राप्त होती है. ऐसी विजय में आप लोगों को प्रदान करूँगा.चिंता मत कीजिए.श्री वेंकटाद्रि पर भक्ति से चले जाइए.वहाँ क्षेत्रपाल परम पावन तीर्थों के पास खड़े होकर स्नान,पान ,जपादि कीजिए. तब आपके सारे पाप मिट जायेंगे. उसके बाद सारे मनुष्यों पर आप विजय प्राप्त कर सकते हैं. ऐसा श्रीकृष्ण ने उनके उपदेश दिया.उपदेश पाकर वे पांदव वेंकटाद्रि पर पहुँच गए. क्षेत्र पालक के पास सिध्द स्थल में खड़े होकर स्नान-पान निष्ठा के साथ करते-करते एक वर्ष बीत गया.तब आदर से श्री वेंकटेश्वर पांडवाग्रज युधिष्ठिर के सपने में दर्शन दे कर हे महाराज !अपने राज्यों पर तुम लोग लौट कर आनंद से राज्य करते रहो.

कहा- ऐसी आज्ञा पाकर पांडुपुत्र युधिष्ठिर ने तुरंत नींद से जाग कर भीमार्जुन आदि को बुलाकर अपने सपने के बारे में बताया. तुरंत वह पन्ती समेत और भाइयों के साथ वेंकटाद्रि पर पहुँच गया.वहाँ के जंगल में वास किया.फिर उधर से लौट कर शत्रुओं से युध्द करके विजय को हासिल किया.हस्तिनापुर में राज्याभिषिक्त हुए. साथ ही नंद सुत का अनुसरण करते रहे.

शेष आगे के अंक में

शुभेच्छुक-मा.प्राचार्य डॉ. अंजली ठाकरे,
संचालक डॉ.पंजाबराव देशमुख अर्बन को-बैंक,अमरावती
मा.अमरावती शहर अध्यक्ष महिला कांग्रेस

विज्ञापन प्रतिनिधि
चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान — आजादी का अमृत महोत्सव — आचार-विचार वाला अखबार

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.
मो. 9423426199, 8855019189

जनहित को देती हैं सदैव सर्वोच्च महत्व

एड.यशोमतिताई ठाकुर के ज़न्मदिन पर विशेष, आक्रामक नेत्री के रूप में हैं सुख्यात

आज राजनीति में नैतिकता, विचारधारा सभी पद के सामने गौण हो गया है. लेकिन आज भी कुछ ऐसे नेता हैं, जो विचारधारा, संविधान की रक्षा के व्रत के साथ ही पद पर नहीं रहने के बाद भी जनता के दिल में जगह बनाने में सफल हुए हैं. पूर्व पालकमंत्री,बेहतरीन खिलाड़ी, संवेदनशील कांग्रेस नेत्री तथा जनता के लिए किसी से भी भिड़ने वाली एड. यशोमतिताई ठाकुर ऐसी ही नेत्री हैं. यही कारण है कि पद पर रहें या न रहें लेकिन लाखों कार्यकर्ताओं की शहंशाह कहना गलत नहीं होगा. माता-पिता की भक्त रहने के साथ ही जनता की समस्या के निराकरण को सदैव प्राथमिकता देती हैं. 17 मई को उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएँ. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, यही कामना.

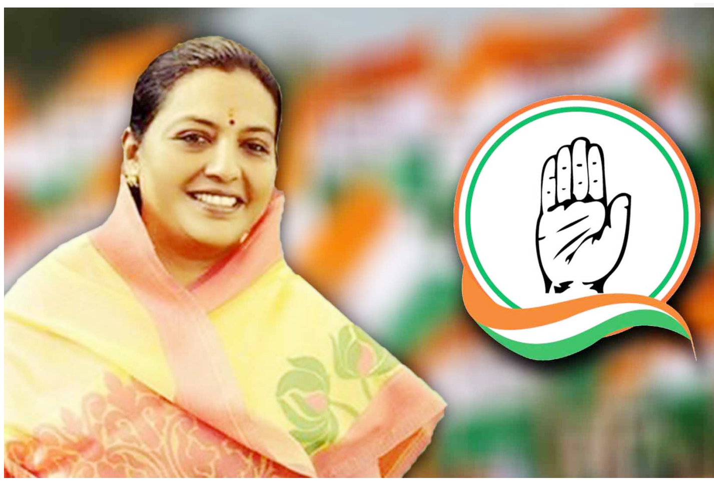

क़हते हैं कि आज पद के लिए कोई भी विचारधारा कभी भी छोड़ने के लिए तैयार है. लेकिन आज भी विचारधारा, नैतिकता, सिद्धांतों पर जीने तथा इसके लिए कभी समझौता नहीं करने वाले नेताओं की संख्या कम है लेकिन अमरावती जिले की पूर्व मंत्री,आदर्श खिलाड़ी और जनता के दिल में सदैव स्थान बनाने वाली पूर्व मंत्री एड. यशोमतिताई ठाकुर ऐसी नेत्री हैं, जो किसी भी रूप में विचारधारा, निष्ठा के मामले में समझौता नहीं करतीहैं. उनकी इसी खूबी के कारण आज भी जिले में अपार लोकप्रिय नेत्री के रूप में लोग उन्हें सम्मान देते हैं.

जिले की पूर्व पालकमंत्री, लोकप्रिय विधायक एड. यशोमतिताई ठाकुर का गृहिणी से लेकर मंत्री तक का सफक्क चुनौतियों से भरा रहा है. लेकिन स्थितियों से हार मानना उन्होंने सीखा ही नहीं है. उनका जन्म 17 मई 1974 तिवसा के गुरूकुंज मोझरी में हुआ. बचपन से ही मेधावी छात्रा रही हैं. छात्र जीवन से ही उन्हें खेल, एनसीसी की बेहतरीन कैडेट रही. दिल्ली में गणतंत्र दिन परेड में शामिल हो चुकी हैं. शूटिंग रेंज और बास्केटबॉल में भी माहिर रही हैं. खेल की तरह ही राजनीति में भी वे छाई. लगातार तीन बार तिवसा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के साथ ही वहां के लोगों में अपार लोकप्रिय हैं. आज भले विधायक नहीं हैं लेकिन उनके घर पर आज भी लोगों की भीड़ वैसे ही रहती है. जनता की समस्या के लिए किसी से भी भिड़ने में पीछे नहीं हटती हैं.माता-पिता की भक्त ताई को बचपन से ही राजनीतिक पाठ माता-पिता के सानिध्य में मिला है. पिता स्व.भैयासाहेब उर्फ चंद्रकांत ठाकुर ने तिवसा का दो बार नेतृत्व किया. पिता विधायक रहते समय भी पार्टी द्वारा टिकट नहीं मिलने के बाद भी परिवार ने कांग्रेस के प्रति निष्ठा कायम रखी और कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने में ताई ने स्वयं को झोंक दिया है. उनकी दादी भी जिला परिषद की सदस्या थीं. बीए, एलएलबी ताई को एक पुत्र, एक पुत्री है. मां के रूप में बच्चों की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाने के साथ ही पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी निभाने की दोहरी जिम्मेदारी निभाई. क़ांग्रेसाध्यक्ष के साथ उनकी गांधी परिवार से घनिष्ठता जगजाहिर है. यही कारण है कि राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें कई बार जिम्मेदारी सौंपी गई और उन्होंने निभाया और पार्टी नेताओं का विश्वास हासिल किया. जुझारू के साथ ही निष्ठा, पार्टी के प्रति समर्पण जैसे गुणों के कायल उनके विरोधी भी हैं. 2004 से राजनीतिक पारी की शुरूवात की. लेकिन पहली बार असफलता मिली. लेकिन हतोत्साहित नहीं होकर जनहित में स्वयं को झोंके रखा. बाद में विधायकी की हैट्रिक की. मंत्री के रूप में महिलाओं, बच्चों के लिए उनके द्वारा किया गया कार्य इतिहास में दर्ज होने जैसा रहा. युवक कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने के साथ राहुल गांधी की युवा ब्रिगेड में ताई के काम की सराहना स्वयं राहुल गांधी ने भी की.इतना ही नहीं तो उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर युवक कांग्रेस को मजबूत करने का प्रयास किया. जम्मू, हरियाणा, गोवा, उत्तर प्रदेश,दिव-दमण, मध्य प्रदेश कर्नाटक सहित कई राज्यों में सेवाएं भी दी. बेहतरीन वक्ता के साथ ही मराठी, हिंदी के साथ अंग्रेजी पर पकड़ के कारण राहुल ब्रिगेड में स्थान पक्का किया. प्रदेश युवक कांग्रेस की महासचिव के साथ ही प्रदेश महिला आयोग पर काम करते हुए महिलाओं के अधिकारों के लिए प्रयास किया. उनके जीवन और राजनीतिक सफर पर गौर करने के बाद चुनौतियों से सदैव दो-दो हाथ करते हुए रास्ता निकालने वाली जुझारू नेत्री का दर्शन होता है. किसी भी स्थिति में हार नहीं मानने और पार्टी की मजबूती के लिए पूरी तरह से समर्पण उनकी खूबी है. नेता, समाजसेवी के साथ ही बहुगुणी व्यक्तित्व के रूप में एड. यशोमतिताई ठाकुर ने जिले ही नहीं तो प्रदेश स्तर पर अपार लोकप्रियता हासि की. जिले के सांसद बलवंतराव वानखडे की जीत में उनका अहम स्थान रहा है. कांग्रेस की मजबूती, जिले के विकासार्थ करोड़ों रूपए लाने से लेकर राज्यस्तर पर दमदार नेत्री के रूप में कांग्रेस की समर्पित नेता एड. यशोमति ठाकुर को जन्मदिन पर करोड़ों मंगल हार्दिक शुभकामनाएं.

मा.प्राचार्य डॉ. अंजली ठाकरे,
संचालक डॉ.पंजाबराव देशमुख अर्बन को-बैंक,अमरावती
मा.अमरावती शहर अध्यक्ष महिला कांग्रेस

शुभेच्छुक- वैद्य बंधु मित्र परिवार,विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती

ब्लॉक किराए से देना है

अकोली रोड स्थित छाया कॉलोनी में सभी सुविधायुक्त हॉल तथा किचन युक्त ब्लॉक किराए से देना है. इच्छुक निम्न मोबाइल पर संपर्क करें.

छात्राओं को प्राथमिकता.

मोबाइल नंबर
9423426199,
8855019189

ज़ीवदया,प्रेम,स्वभाव होते हैं जीवन के भूषण

किसी को शब्दों से भी चोटिल करना भी पाप होता

ज़ीवन ही नहीं पाप पुण्य की जितनी बेहतरीन परिभाषा सनातन धर्म तथा हमारे संस्कारों में है, उतनी कहीं नहीं मिल सकती है. श्रीरामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास ने गौमाता तो क्या किसी भी जीव को शब्दों से भी अगर हम चोटिल करते हैं तो वह भी पाप बताया है. जीवन में स्वभाव का प्रभाव सदैव होता है. अगर आपका स्वभाव अच्छा है तो हजारों आपके करीब होंगे लेकिन अगर स्वभाव अच्छा नहीं है, विनम्रता नहीं है, अहंकार है तो अपने करीबी भी कब दूर हो जाते हैं, पता नहीं चलता है. परहित सरिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहीं अघमाई यानी किसी को राहत देने, खुशी देने से बड़ा पुण्य नहीं है और किसी को शब्दों से भी आहत करने से बड़ा पाप नहीं है. मानव के रूप में प्रभु ने सबसे सुंदर रचना की है. लेकिन मानवता सहित अन्य जो हमारे असली आभूषण हैं, वह कुछ कम हो रहे हैं, इसमें वृद्धि की जिम्मेदारी सभी मानव पर आन पड़ी है. सभी को खुशियां बांटने की कामना जब हम करते हैं तो निश्चित तौर पर हमारा भी उसमें समावेश हो ही जाता है.संसार में सभी को जीने, खुशियां मनाने और दूसरों को भी खुशियां बांटने का अधिकार है. जिस दिन ऐसा हो जाएगा, उस दिन स्वर्ग धरती पर ही अवतरित हो जाएगा. कुछ लोग आज भी ऐसे होते हैं, जिनके साथ मिलना, बातें करना, दुःख-दर्द बांटना अच्छा लगता है, वहीं कुछ के पास बैठना भी अच्छा नहीं लगता है.

जिस तरह से इन्सान को जीने का अधिकार है, सृष्टि के हर जीव-जंतु को भी उसी तरह से जीने का अधिकार है. लेकिन कई बार जब इन्सान अपने स्वार्थ में प्रकृति के नियमों का भंग करता है तो इसका खामियाजा प्राकृतिक तथा पर्यावरण असंतुलन के रूप में मानव जाति को ही भुगतना पड़ता है. आज कई क्षेत्रों में सूखे का संकट हो अथवा केपटाऊन में पानी खत्म होने की बात हो, इसके लिए कहीं न कहीं मानवीय लालच ही उत्तरदायी रही है. सभी जीवों से प्रेम करने और उन्हें अभय देने की महती जिम्मेदारी

सुदर्शन गांग,
सुख्यात समाजसेवी

इन्सान पर ही है. लेकिन आज स्थिति बाड़ ही खेत को खाने की हो गई है. गौसेवा और गौमाता का हमारे भारतीय शास्त्रों में अत्याधिक महत्व दिया गया है. यह अकेली ऐसी पशु हैं, जिन्हें माता का दर्जा दिया गया है. उनका दूध मां के दूध जैसा रहता है. यही कारण है कि जब कोई बच्चा मां का दूध नहीं पीने या मां के स्तन में दूध नहीं रहता है तो डाक्टर भी गौमाता का दूध पिलाने की सलाह देती हैं. इससे हमारे जीवन में गौमाता का क्या महत्व है, इसका सहजता से अंदाज लगाया जा सकता है. गौमाता के साथ ही सृष्टि के किसी भी जीव को अगर जन्म देने का अधिकार हमें नहीं है तो किसी भी जीव की जीवनलीला समाप्त करने का अधिकार भी हमें नहीं है. वैसे भी जीव हत्या को भी जघन्य पाप बताया गया है. हम किसीभी जीव की हत्या करते हैं तो निश्चित तौर पर कभी न कभी हमें उसका भुगतान करना ही है.

बदलते दौर में आज हिंसा ने सर्वत्र हाहाकार मचाया है. सीमाओं में देशों के साथ ही इन्सान विभिन्न धर्मों में बंट गये हैं. ऐसे में मानवता कहीं न कहीं प्रभावित हो रही है. जीवों पर दया इन्सान का पहला फर्ज होता है. आज इन्सान द्वारा अपने स्वार्थ में जीवों के साथ जल,जंगल के साथ जिस तरह से नाइंसाफी की जा रही है, उसका भुगतान करने की नौबत आ गई है.प्रकृति ने हमें दिल खोलकर दिया है लेकिन हममें कृतज्ञता का भाव भी नहीं होना निश्चित तौर पर दुखद है. जल है तो ही कल है, इसलिए प्रकृति को संवारने का कार्य सभी को करना चाहिए.

आदर्श भाईयों का जोड़ा पंकज-अतुल वैद्य

जन्मदिन पर विशेष, परिवार एकता की मिसाल है वैद्य परिवार

परिवार की एकता,भाईयों में अपार विश्वास और प्रेम ही परिवार की तरक्की की सीढ़ी होती है. वैद्य बंधुओं में यह सारे गुण हैं. दोनों भाई पंकज-अतुल जहां दो शरीर एक जान हैं, वहीं सचिन की सादगी और तीनों ही भाईयों के साथ ही जीवन संगिनियों की समझदारी निश्चित तौर पर किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं कही जा सकती है. पंकज-अतुल भैया को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं.

गरीबी, संघर्ष, मुसीबत, परिवार के आजीविका की चिंता ने वैद्य बंधुओं को भी कम नहीं सताया. लेकिन तीनों भाईयों की एकता और मां के आशिर्वाद ने तमाम संघर्षों में भी राह दिखाया और आज यह परिवार व्यवसाय,सेवाभाव, सामाजिक कामों में भी अग्रणी है. अन्यों के लिए प्रेरणादायी बनने वाले लोगों की संख्या एकदम कम है. अजीज मित्र, संघर्षों में तपकर सोना हुए पंकज वैद्य और अतुल वैद्य क्री सादगी और समझदारी भी काबिले-तारीफ है. दोनों के बीच

का प्रेम उतना ही प्रेरणादाई है. आज जब स्वयं को संस्कारित कहने वालों में भाई प्रेम के महत्व को नहीं समझने वाली मानसिकता है, ऐसे में वैद्य ब्रदर्स निश्चित तौर पर अन्यों के लिए आदर्श से कम नहीं हैं. कहते हैं कि महिलाओं को घर में लक्ष्मी का दर्जा दिया गया है, यह वैद्य बंधुओं के परिवार में दिखाई देता है. तीनों ही बहुओं का स्वभाव भी बेहतरीन हैं और परिवार में प्रेम बढ़ाने का काम ही होता है. एकता से प्रगति का परिचायक यह परिवार है तो इसका श्रेय पूरे परिवार को देना होगा. दोनों भाईयों के साथ नन्हीं परी को जन्मदिन की विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं.दोनों भाईयों का जन्मदिन है. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि दोनों ही भाईयों के साथ ही तीन भाईयों का यह परिवार ऐसे लोगों के लिए उदाहरण बन सकता है जो अपनी छोटी सी कामयाबी पर इतराते हैं. दूसरे को कम आंकते हैं. सामाजिक दायित्व की भावना से सदैव नेक कामों में योगदान देने से नहीं चूकते हैं. मानवता की सेवा को सबसे बड़ी सेवा और इंसानियत को सबसे बड़ा धर्म मानने वाले पंकज भैया के आदर्श विचारों पर ही उनका पूरा परिवार चल रहा है. पंकजभैया बातचीत में कहते हैं कि दुनिया के मुताबिक चलने की बजा अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से मंजिल की ओर बढ़ने का प्रयास करें. दोनों ही भाईयों के साथ बेटी को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. परिवार इसी तरह खुश रहे, आगे बढ़े,प्रभु चरणों में यही कामना. **विदर्भ स्वाभिमान डेस्क**

एकादशी का ताली कीर्तन भक्तों को देता है भरपूर सार्थक उर्जा

बडनेरा- ज़ीवन में प्रभु की कृपा जिन पर बरसती है, उनका जीवन धन्य हो जाता है. ऐसे ही भक्तों में शामिल हैं श्रीराम मंदिर झिरी के संचालक चंदूलाल अग्रवाल. मंदिर में हर एकादशी को होने वाला ताली कीर्तन भक्तों के लिए सार्थक उर्जा का माध्यम बनता है. इसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं. सिंघानिया परिवार इसके लिए जहां प्रयासरत रहता है, वहीं श्रीराम मंदिर झिरी में आने वाले भक्तों को चार मंदिरों के दर्शन का पुण्य मिलता है. यहां पर श्री बालाजी हनुमानजी, श्रीराम दरबार, हारे का सहारा श्री श्याम बाबा के साथ ही संत गजानन महाराज का मंदिर है. अपार सुकून की अनुभूति यहां होती है. ताली कीर्तन में बड़ी संख्या में भक्त भाग लेते हैं.

पूरा सिंघानिया परिवार धार्मिकता

से ओतप्रोत है. श्रीराम, श्रीश्याम, संत गजानन महाराज मंदिर की मूर्ति स्थापना के साथ ही बालाजी हनुमानजी का दर्शन करने के लिए सदैव भक्तों का तांता लगा रहता है. स्वयं दिनमें तमाम व्यस्तता के बाद भी एक बार प्रभु का दर्शन उनका नित्य क्रम है. मंदिर के पुजारी तथा सेवक भी प्रभु सेवा तथा प्रभु का श्रृंगार करने में अग्रणी रहते हैं. जीवन में प्रभु का नाम ही संवारने के लिए काफी है. ऐसे में भक्तिभाव में डूबे भक्तों की सहायता के साथ ही हर तरह की खुशियां देने का काम प्रभु करते हैं. जिसमें भाव होता है, विश्वास होता है, उसे ही इसका अनुभव मिल सकता है. इसी का परिचायक है सिंघानिया परिवार द्वारा संचालित बडनेरा-यवतमाल रोड पर झिरी में स्थित श्रीराम और श्रीश्याम मंदिर. श्रीराम दाल मिल की दाल पूरे विदर्भ में लोकप्रिय है. पकने में बेहतरीन के साथ ही यह कई खूबियों से युक्त होती है. झिरी में नवनिर्मित श्रीश्यामबाबा मंदिर जहां भक्तों की आशाओं को पूरा कर रहा है, वहीं श्री श्यामबाबा का आकर्षक और मोहक श्रृंगार भक्तों को आकर्षित कर रहा है. मंदिर में ग्यारस, बारस का कार्यक्रम अत्यंत भक्तिभाव से मनाया गया.इस मंदिर में अपार सुकून की अनुभूति आने वाले हर व्यक्ति को होती है. यही कारण है कि हजारों की संख्या में भक्त मंदिर में पहुंचकर दर्शन का लाभ लेकर जीवन धन्य कर रहे हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से कमीशन के आधार पर कमाई भी कर सकते हैं.

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

मै ज़िंदगी का साथ
निभाता चला गया
हर फ़िक्र को धुएं में
उड़ाता चला गया
ग़म और ख़ुशी में फ़र्क़ न
महसूस हो जहां
मैं दिल को उस मक़ाम पे
लाता चला गया
जो मिल गया उसी को
मुक़द्दर समझ लिया
जो खो गया मैं उस को
भुलाता चला गया
बर्बादियों का सोग मनाना
फ़ज़ूल था
बर्बादियों का जश्न
मनाता चला गया

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

गुरूवार 15 से 21 मई 2025

मेष
ज़ीवन में सभी की भावनाएं समझते हुए काम करने का प्रयास करें. आपका कोई काम नहीं रूकेगा. सुख-सुविधा पर खर्च होने की संभावना है. किसी के पास फंसा हुआ धन मिलने की संभावना है. किसी से नाहक विवाद करने से बचना श्रेयस्कर होगा. जीवन में सदैव ईमानदारी से कार्य करने का प्रयास लाभदायी होगा.

वृषभ
यह सप्तह आपके लिए काफी लाभदायी साबित होने वाला है. समझदारी और संयम का लाभ मिल सकता है. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं.

मिथुन
छात्रों को थोड़ी भी मेहनत सफलता दिलाने में सफल हो सकती है. पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दें. वाहन चलाने में गड़बड़ी भारी पड़ सकती है.

कर्क
यह सप्ताह आपके लिए नई उम्मीदों वाला हो सकता है. ऐसे में समझदारी से हर काम को निपटाने का प्रयास करें. दिखावा भारी पड़ सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला
घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर ध्यान दें.

कुंभ
सप्ताह में मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है. इसके साथ ही अपने काम पर समर्पण के साथ ध्यान देना होगा. स्वास्थ्य पर ध्यान देना आपके लिए हितकर होगा. नाहक के विवाद से बचें .

मीन
भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी. वाहन धीरे से चलाएं और नाहक के वाद-विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे.

ग्राम पंचायत कार्यालय,तोडगांव

पंचायत समिति,चांदूर बाजार,जि.प. अमरावती

निविदा सूचना क्र.1 (2024-2025)

ग्राम पंचायत कार्यालय,तोडगांव, ता.चांदूर बाजार,जि. अमरावती यांचा कार्यालयामार्फत क वर्ग तीर्थक्षेत्र स्थळचा विकास करणे जि.प.स्तर अंतर्गत सा.बां.विभाग अमरावती/जिप अमरावती मधील मान्यता प्राप्त कंत्राटदारांकडून ब-1 लिफाफा पद्धतीने निविदा मागविण्यात येत आहे.

अनु क्रमांक	क़ामाचे नाव	लेखाशीर्षक	कामाची अंदाजित किमत	बयाना रक्कम 196	निविदा फी	क़ोरी निविदा मिळण्याची मुदत	निविदा सादरकरण्याची दिनांक व वेळ	भरलेल्या निविदा उघडण्याचा दिनांक व वेळ
1.	श्री तीर्थ क्षेत्र तोडगाव अंतर्गत त्रिवेणी संगम मंदिर परिसरात स्वरक्षण भिंत व पेवर ब्लॉक व उर्वरित काम करणे.	क वर्ग स्थळाचा विकास कार्यक्रम (3604-0862) 2024-25	8,34,755/	8435/	200/-	14-05-2025 ते 19-05-2025	20-05-2025 क़ार्यालयीन वेळेत	21-05-2025 क़ार्यालयीन वेळेत

अटी व शर्ती

1) क़ोरी निविदा ग्रा.पं.कार्यालय तोडगाव, येथे कार्यालयीन वेऴेत मिळतील.
2) निविदा बंद लिफाफा पद्धतीने दोन लिफाफ्यात स्वीकारण्यात येतील.
3) निविदे बाबत सर्व अधिकार ग्राम पंचायतकडे राखीव असतील.
4) निविदे बाबत सर्व माहिती ग्राम पंचायत कार्यालयाची नोटिस बोर्डावर पहावयास मिळेल.

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत तोडगाव
ता.चांदूर बाजार, जि.अमरावती.

त्याग,प्रेम हो तो परिवार से बड़ा हमदर्द नहीं

विदर्भ स्वाभिमान अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर विशेष,संवाद,सम्मान और समय की होती है भूमिका

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर विदर्भ स्वाभिमान-आनंद परिवार की ओर से सभी समर्पित, संवाद, और सम्मान देकर लगातार प्रगति की राह पर आगे बढ़ने वाले परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं. आज बदलते समय में संयुक्त परिवार पूरी तरह से टूटने की स्थिति में पहुंच गए हैं. ऐसे में पहले कई भाई एक साथ रहने वाले परिवार आज हम दो हमारे दो वाले परिवार बनकर रह गए हैं. दुर्भाग्य की बात यह है कि पहले परिवार को जोड़ने वाली कड़ी के रूप में महिलाओं का उल्लेख लक्ष्मी के रूप में किया जाता था. लेकिन बदलते समय में आज प्राइवेसी के नाम पर विवाह होने से पूर्व ही स्वयं माता-पिता रहने वाले अपनी बेटी का विवाह करने से पहले ही संयुक्त परिवार की बजाय यह पूछते हैं कि घर में कोई दूसरा है तो नहीं. इस मानसिकता के कारण खुशी के प्रसंग तो कम आते हैं लेकिन तनाव जैसी स्थिति अक्सर बन जाती है और कई बार पति पत्नी के बीच मामूली तनाव होने के बाद

बाद आत्महत्या करने तक पहुंच जाती है.

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस का उद्देश्य परिवारों को जोड़ना होता है. संवाद जहां परिवार में रिश्ते को बनाने और मजबूत करने का कार्य करता है वहीं दूसरी ओर समय के साथ यह आत्मिक होते जाते हैं और परिवार का समय न केवल अच्छा चलता है बल्कि एकता में रहने वाले परिवार आर्थिक, मानसिक तथा प्रगति के मामले में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. वहीं जो परिवार अलग-अलग रहते हैं उनकी प्रगति तथा समझदारी है तो संयुक्त परिवार की प्रगति में जमीन आसमान का अंतर होता है.

अहंकार होता है सबसे बड़ा दुश्मन

संयुक्त परिवार में एक दो सदस्यों का अहंकार ही सबसे बड़ा दुश्मन होता है. परिवार में अगर एक समझदार व्यक्ति निकल जाए तो परिवार संवर जाता है लेकिन इसके साथ ही परिवार का एक ही अहंकारी व्यक्ति पूरे परिवार का सत्यानाश करने की ताकत रखता है. परिवार में जब सभी सदस्य एक-दूसरे का सम्मान करते हैं तो निश्चित तौर पर परिवार की ताकत जहां बढ़ती है वहीं दूसरी ओर आपसी प्रेम, संयुक्त प्रयासों से परिवार की ताकत भी तेजी से बढ़ती है. अमरावती में भी कई ऐसे परिवार हैं, जिन्होंने एकता के बलबूते गरीबी से लेकर आज करोड़ों रुपए का व्यवसाय करते हैं और परिवार का हर सदस्य एक-दूसरे पर जान छिड़कता है. दुर्भाग्यवश कई ऐसे भी परिवार हैं, जो विद्वान है, समझदार हैं, दुनिया को धर्म-कर्म का ज्ञान बांटते हैं लेकिन दुर्भाग्यवश इस पर स्वयं नहीं चलते हैं. अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर सभी को संकल्प लेना चाहिए कि वह एकजुट होकर ही ताकत बन सकते हैं. अकेली उंगली कोई भी तोड़ सकता है लेकिन मुट्ठी की ताकत निश्चित तौर पर प्रभावी होती है.बडनेरा का आनंद परिवार, सुदर्शन गांग परिवार के चारों भाई, बहनों के साथ ही जिस तरह का प्रेम एक-दूसरे को लेकर रहता है, वह सचमुच ही सराहनीय है. आज के दौर में इस तरह का परिवार मिलना दुर्लभ है. बाबूजी बताते हैं कि जहां सुमति तहं संपति नाना. परिवार दिवस का यही मर्म है. परिवार की एकता से बड़ी ताकत दूसरी नहीं हो सकती है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048